पाठ 2. मात्रा वाले शब्द

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को विभिन्न मात्राओं से बने शब्दों से परिचित कराना है। मात्रा लगे शब्दों की पहचान करने और उन्हें सीखने से बच्चों की शब्द-संपदा समृद्ध होगी। इस पाठ का व इससे संबंधित अभ्यास प्रश्नों का निर्माण करते समय यह ध्यान रखा गया है कि बच्चों में स्व-जागरूकता का कौशल विकसित हो।

पाठ का सार

विभिन्न मात्राओं के प्रयोग से बने कुछ शब्दों के उदाहरण चित्र में दिए गए हैं। इसके साथ ही कुछ अन्य शब्द भी दिए गए हैं जिन्हें बोल-बोलकर याद करना है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  बच्चों को दिए गए शब्दों के चित्र बारी-बारी से पहचानने को कहें। फिर उनके नाम बताने को कहें। चित्रों के माध्यम से इन शब्दों का ज्ञान आसानी से हो सकेगा। चित्र के अतिरिक्त कुछ अन्य शब्द भी दिए गए हैं। उन शब्दों का वाचन उच्चारणसहित करवाएँ। शब्दों के उच्चारण पर विशेष बल दें। पाठ में आए शब्दों के अतिरिक्त कुछ अन्य शब्द बतलाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्न** के अंतर्गत छोटे-छोटे वाक्य दिए गए हैं। उनको पढ़ते-पढ़ाते समय रंगीन छपी मात्राओं व उनके क्रम की ओर बच्चों का ध्यान आकृष्ट करें।
  - **बूझो पहेली** में ध्यान दें कि उनमें जो उत्तर आएँ हैं, उनमें मात्राओं के क्रम को ध्यान में रखा गया है।

    जैसे–गाजर–डाकिया–चाबी–गुलाब–भालू–वृक्ष–केला–नैनीताल–मोर–नौका
  - **पाठ आधारित प्रश्नों** के उत्तर देने से पहले बच्चों को बताएँ कि 'अ' की कोई मात्रा नहीं होती। उन्हें यह भी बताएँ कि **आ, ई, ओ** तथा **औ** की मात्राएँ व्यंजन के साथ दाईं ओर लगती हैं जबकि **इ** की मात्रा बाईं ओर लगती है। इसी प्रकार **उ, ऊ** और **ऋ** की मात्राएँ व्यंजन के नीचे लगती हैं जबकि **अं** और **अँ** की मात्राएँ व्यंजन के ऊपर लगती हैं। कुछ व्यंजनों में **ए, ऐ, ओ** और **औ** के साथ **अं** की मात्रा भी लगाई जाती है। ऐसी स्थिति में इन मात्राओं के बारे में उदाहरण देकर समझाएँ। **र** के साथ **उ/ऊ** की मात्रा लगाने पर उसका रूप बदल जाता है, इस ओर ध्यान आकृष्ट करें।
  - वर्णों और मात्राओं को जोड़कर शब्द बनाना सिखाएँ। **इ** की मात्रा वाले शब्दों के बारे में विशेष रूप से ध्यान देने की ज़रूरत है।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - रंग भरना बच्चों की मनपसंद गतिविधियों में से एक है। उन्हें इस कार्य में मदद करें। गुलाब के फूल, उसकी पत्ती और उसके डंठल के रंगों के बारे में और मछली के रंगों के बारे में बातचीत करें।